टॉप कंपनियों की वैल्यू में भारी गिरावट

सेंसेक्स में गिरावट से निवेशकों की संपत्ति घटी

एचडीएफसी बैंक की वैल्यू में बढ़ोतरी दर्ज

मुंबई, 26 अप्रैल बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव के बीच देश की टॉप-10 सबसे बड़ी कंपनियों में से 7 की संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में करीब 2.05 लाख करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई.

इस गिरावट का सबसे बड़ा असर सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज पर पड़ा, जिसकी वैल्यू एक ही सप्ताह में 66,699 करोड़ रुपये घटकर 8.67 लाख करोड़ रुपये रह गई.

इसके अलावा देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप भी 50,670 करोड़ रुपये घटकर 17.96 लाख करोड़ रुपये पर आ गया. बैंकिंग सेक्टर में मिश्रित रुझान देखने को मिला, जहां एचडीएफसी बैंक की वैल्यू में बढ़ोतरी दर्ज की गई, लेकिन अन्य प्रमुख कंपनियों पर दबाव बना रहा.

सूची में शामिल अन्य बड़ी कंपनियों जैसे भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और लार्सन एंड टुब्रो की बाजार वैल्यू में भी गिरावट देखने को मिली. वहीं कुछ कंपनियों जैसे हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस की वैल्यू में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे बाजार में आंशिक संतुलन बना रहा.

> यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब पूरे सप्ताह बाजार में कमजोरी का रुझान देखा गया. बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांक लगातार दबाव में रहे और निवेशकों की संपत्ति पर इसका सीधा असर पड़ा. सेंसेक्स में 1,830 अंक यानी 2.33 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी में 455 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली. सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी बाजार दबाव में रहा, जब सेंसेक्स 1,000 अंक से अधिक गिरकर 76,664 के स्तर पर बंद हुआ. मार्केट विशेषज्ञों के अनुसार, इस गिरावट का प्रमुख कारण वैश्विक अनिश्चितताएं, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कॉरपोरेट नतीजों को लेकर मिश्रित संकेत रहे.

पेटीएम पेमेंट्स बैंक में 800 करोड़ फंसे

नई दिल्ली, 26 अप्रैल पेटीएम पेमेंट्स बैंक से जुड़ा बड़ा मामला सामने आया है, जहां करीब दो साल से पाबंदी के बावजूद अब भी ग्राहकों के 800 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि फंसी हुई है. रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें लगभग 400 करोड़ रुपये ऐसे खातों में अटके हैं जिन्हें फ्रीज कर दिया गया है, जबकि बाकी 400 करोड़ रुपये अब तक किसी ने क्लेम ही नहीं किए हैं. हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है, जिसके बाद बैंक किसी भी तरह की नई बैंकिंग गतिविधि नहीं कर सकेगा. इससे पहले बैंक में कुल 5,500 करोड़ रुपये से ज्यादा डिपॉजिट और करीब 35 करोड़ खाते थे, जिनमें से बड़ी संख्या में खाते निष्क्रिय या फ्रीज बताए जा रहे थे.

साइबर हमलों से बाजार हिलने की चेतावनी

डीपफेक, फर्जी ऐप्स और एआई आधारित फ्रॉड पर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, 26 अप्रैल देश के वित्तीय बाजारों की सुरक्षा को लेकर एक गंभीर चेतावनी जारी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एक भी बड़ा साइबर हमला पूरे बाजार को हिला सकता है.

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के 38वें स्थापना दिवस के मौके पर उन्होंने बाजार से जुड़े सभी संस्थानों को 'सुपर अलर्ट' रहने का निर्देश दिया और साइबर खतरों को राष्ट्रीय आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम बताया.

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि साइबर हमले अब केवल तकनीकी समस्या नहीं रह गए हैं, बल्कि ये पूरे वित्तीय तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी बड़े स्टॉक एक्सचेंज, डिपॉजिटरी, क्लियरिंग कॉर्पोरेशन या प्रमुख ब्रोकर पर सफल साइबर हमला होता है, तो इसका असर पूरे देश के बाजार पर पड़ेगा. इससे न सिर्फ निवेशकों की संपत्ति खतरे में आएगी, बल्कि बाजार में विश्वास भी कमजोर हो सकता है.

सीतारमण ने कहा कि तकनीक के तेजी से विकास, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते उपयोग ने साइबर हमलों को और अधिक जटिल और खतरनाक बना दिया है. अब हमलावर ऑटोमेटेड टूल्स के जरिए सिस्टम की कमजोरियों को तेजी से पहचान रहे हैं और बड़े पैमाने पर हमले कर सकते हैं. ऐसे में पारंपरिक सुरक्षा उपायों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है और संस्थानों को अपने साइबर सुरक्षा ढांचे को लगातार मजबूत करना होगा.

> वित्त मंत्री ने सेबी द्वारा शुरू किए गए वेरिफिकेशन सिस्टम की सराहना की, जिसके माध्यम से निवेशक पैसे ट्रांसफर करने से पहले रजिस्टर्ड इंटरमीडियरी की जानकारी की जांच कर सकते हैं. हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस सिस्टम को और व्यापक बनाने की जरूरत है ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें और धोखाधड़ी से बच सकें.

एयर कार्गो के विस्तार के लिए 'सी-एयर' कार्गो हब की जरूरत

नयी दिल्ली, 26 अप्रैल देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण के तेज विकास के बीच एयर कार्गो क्षेत्र में काफी संभावनाएं हैं और इसे भुनाने के लिए 'सी-एयर' वाले बड़े कार्गो हब बनाने की जरूरत है जहां बंदरगाह और हवाई अड्डा एक साथ हों.

एयर इंडिया कार्गो के प्रमुख और भारतीय एयर कार्गो फोरम (एसीएफआई) के उपाध्यक्ष रमेश मामिडाला का मानना है कि भारत का हवाई माल परिवहन (एयर कार्गो) अगले चार-पांच साल में तीन गुना होकर एक करोड़ टन तक पहुंचने की क्षमता रखता है. उन्होंने पश्चिम एशिया युद्ध के भारतीय एयर कार्गो क्षेत्र पर पड़े प्रभाव की भी बात की.

श्री मामिडाला ने यहां एक कार्यक्रम से इतर समाचार एजेंसी 'यूनीवार्ता' के साथ एक विशेष बातचीत में कहा कि मौजूदा समय में देश में सालाना 35 लाख टन के अधिक एयर कार्गो का संचालन होता है जिसके इस साल के अंत तक 40 लाख टन पर पहुंचने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि अगले चार-पांच साल में यह आंकड़ा लगभग एक करोड़ टन पर पहुंच सकता है और साल 2047 तक इसके 2.5 करोड़ टन पर पहुंचने की संभावना है.

बेहतर होते सड़क संपर्क और जलमार्गों को सरकार द्वारा मिल रहे प्रोत्साहन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि ये सभी माध्यम अच्छा प्रदर्शन करेंगे और एक-दूसरे के पूरक होंगे, प्रतिस्पर्द्धी नहीं.

सीनियर सिटीजन के लिए एफडी बनी बेहतर विकल्प

नई दिल्ली, 26 अप्रैल शेयर बाजार में जारी उतार-चढ़ाव के बीच सुरक्षित निवेश की तलाश कर रहे वरिष्ठ नागरिकों के लिए फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) एक बार फिर भरोसेमंद विकल्प बनकर उभरा है. साल 2026 में रिटायरमेंट के बाद नियमित आय और पूंजी की सुरक्षा को प्राथमिकता देने वाले निवेशकों के लिए बैंकों द्वारा आकर्षक ब्याज दरें दी जा रही हैं.

सीनियर सिटीजन को आम ग्राहकों की तुलना में लगभग 0.50 प्रतिशत अधिक ब्याज मिलता है. यह दरें भारतीय रिजर्व बैंक की नीतियों, निवेश की अवधि और बैंकों की नकदी स्थिति पर निर्भर करती हैं. सरकारी बैंकों में वरिष्ठ नागरिकों के लिए एफडी पर ब्याज दरें करीब 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई हैं.

> टैक्स नियमों के अनुसार एफडी से मिलने वाला ब्याज आयकर के दायरे में आता है, लेकिन कम आय वाले वरिष्ठ नागरिक फॉर्म 15 ॥ जमा कर टीडीएस से बच सकते हैं. मौजूदा समय में एफडी वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित और स्थिर आय का प्रभावी साधन बनी हुई है.

पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक चुनिंदा अवधि पर 7.10 प्रतिशत तक रिटर्न दे रहे हैं, जबकि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा लंबी अवधि पर 7.05 प्रतिशत तक ब्याज ऑफर कर रहे हैं.

निजी बैंकों में रिटर्न थोड़ा बेहतर देखने को मिल रहा है. इंडसइंड बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जबकि कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक भी 7.20 से 7.30 प्रतिशत के बीच रिटर्न दे रहे हैं.

सबसे ज्यादा रिटर्न स्मॉल फाइनेंस बैंकों में मिल रहा है. श्वस्त्र स्मॉल फाइनेंस बैंक 8.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है, जबकि अन्य बैंक भी 8 प्रतिशत से अधिक रिटर्न ऑफर कर रहे हैं. हालांकि इनमें जोखिम अपेक्षाकृत अधिक माना जाता है.

निवेशकों को अपनी राशि को अलग-अलग अवधि की एफडी में बांटकर निवेश करना चाहिए, जिसे लैडरिंग कहा जाता है. इससे बेहतर रिटर्न और जरूरत पड़ने पर तरलता बनी रहती है.

वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजारों को दिशा

मुंबई, 26 अप्रैल घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी.

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध पर निवेशक नजदीकी नजर रख रहे हैं. अमेरिकी फेडरल रिजर्व की 28 और 29 अप्रैल को होने वाली बैठक का असर भी पूरी दुनिया के शेयर बाजारों पर पड़ेगा.

घरेलू स्तर पर औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े भी आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं. साथ ही कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार को प्रभावित करना जारी रखेंगे.

बीते सप्ताह पहले दो दिन बाजार में तेजी रही, लेकिन अगले तीन दिन बिकवाली हावी रही. बीएसई का सेंसेक्स 1,829 अंक (2.33 प्रतिशत) की साप्ताहिक गिरावट में 76,664.21 अंक पर बंद हुआ.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 455.60 अंक यानी 1.87 प्रतिशत टूटकर शुक्रवार को 23,897.95 अंक पर बंद हुआ. मझौली कंपनियों का निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक भी 1.60 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट में रहा. वहीं, छोटी कंपनियों का स्मॉलकैप-100 सूचकांक उतार-चढ़ाव से होता हुआ अंत में लगभग स्थिर रहा.

सप्ताह के दौरान आईटी कंपनियों पर भारी दबाव देखा गया. निफ्टी आईटी सूचकांक सप्ताह के दौरान 10.31 प्रतिशत लुढ़क गया.

> घरेलू मोर्चे पर, औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही परिणाम बाजार की दिशा तय करेंगे. निवेशकों की रणनीति में वैश्विक संकेतकों के साथ-साथ घरेलू आर्थिक संकेतक और कंपनी स्तर के डेटा भी अहम होंगे. निवेशक ध्यान देंगे कि कौन-सी कंपनियां मजबूत वित्तीय प्रदर्शन दिखाती हैं और कौन-सी क्षेत्र में जोखिम अधिक है. तकनीकी दृष्टिकोण से, सेंसेक्स के लिए 76,500 और निफ्टी के लिए 23,800 समर्थन स्तर महत्वपूर्ण हैं. यदि वैश्विक और घरेलू संकेत सकारात्मक बने रहते हैं, तो बाजार में तेजी की संभावना बनी रह सकती है.

आईआरसीटीसी का ज्योतिर्लिंग टूर पैकेज लॉन्च

यह यात्रा 12 जून को ऋषिकेश से शुरू होगी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल श्रद्धालुओं के लिए किफायती और सुव्यवस्थित आध्यात्मिक यात्रा का अवसर देते हुए आईआरसीटीसी ने 7 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन टूर पैकेज लॉन्च किया है. इस पैकेज के तहत यात्री केवल 847 रुपये की मासिक ईएमआई देकर 11 रात और 12 दिनों की यात्रा पर जा सकते हैं, जिसकी शुरुआती कीमत 24,100 रुपये रखी गई है.

यह यात्रा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के जरिए 12 जून 2026 को ऋषिकेश से शुरू होगी और हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई, लखनऊ, कानपुर, उरई, झांसी और ललितपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जहां से यात्री बोर्डिंग कर सकते हैं.

इस टूर में श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख ज्योतिर्लिंगों के दर्शन कराए जाएंगे, जिनमें ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग और भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग शामिल हैं. इसके साथ ही द्वारकाधीश मंदिर और भेंट द्वारका जैसे अन्य धार्मिक स्थलों का भ्रमण भी कराया जाएगा.

पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 26 अप्रैल. ईरान में तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन भारत में सरकार ने आम लोगों को राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है. आज 26 अप्रैल को देश के प्रमुख शहरों में कीमतें स्थिर हैं. पेट्रोल-डीजल की दरें अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों, डॉलर-रुपये के एक्सचेंज रेट और केंद्र-राज्य द्वारा लगाए गए टैक्स पर निर्भर करती हैं. इसके अलावा परिवहन लागत, मांग-आपूर्ति और रिफाइनिंग खर्च भी कीमतों में योगदान करते हैं.

चावल, गेहूं, चीनी में साप्ताहिक तेजी

दालों और खाद्य तेलों में घट-बढ़

नयी दिल्ली, 26 अप्रैल घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. चावल के साथ गेहूं और चीनी में भी तेजी रही. खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत चार रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,847 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं भी 10 रुपये महंगा होकर 2,780 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. आटे का भाव पांच रुपये बढ़कर 3,270 रुपये प्रति क्विंटल हो गया.

सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 33 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी. उड़द दाल 15 रुपये और चना दाल तीन रुपये सस्ती हुई. मसूर दाल का भाव 23 रुपये और मूंग दाल का नौ रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया. बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 57 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी.

आधी आबादी से पीडीए की काट खोज रही भाजपा

लखनऊ में सड़क पर सीएम योगी, समीकरण समझिए

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर राजनीति खूब गरमाई रही. विगत दिनों सीएम योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी यूपी सरकार और भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष के खिलाफ जन आक्रोश यात्रा निकाली. चिलचिलाती धूप में भाजपा की पदयात्रा पर तत्काल समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की प्रतिक्रिया आ गई.

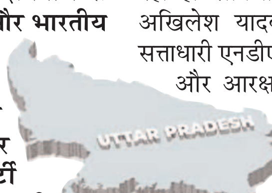

भाजपा के 2027 में विपक्ष बनने की बात करने लगे. लेकिन, यूपी की राजनीति में पहली बार आधी आबादी का मुद्दा चुनावों से पहले विपक्ष को टेंशन देने वाला तो बन ही गया है. तमाम समीकरणों को तैयार करने के बीच भाजपा ने विपक्ष पर जिस प्रकार से हमला बोला है, यह रिटर्न अटैक के तौर पर माना जा रहा है. लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्ष ने सत्ताधारी एनडीए पर संविधान को खत्म करने और आरक्षण खत्म करने जैसे आरोप लगाए. वहीं, जब महिला आरक्षण के मुद्दे सदन में एनडीए की ओर से उठाया गया, तो विपक्ष ने विरोध कर दिया. अब आरक्षण विरोधी का नैरेटिव विपक्ष के खिलाफ सेट किए जाने तैयारी पूरी है.

नारी शक्ति वंदन संशोधन विधेयक के साथ ही परिसीमन विधेयक दो-तिहाई बहुमत के अभाव में लोकसभा में गिर गया. संसद के घटनाक्रम को सड़क तक अपने-अपने नैरेटिव को सेट करने की कोशिश शुरू हो गई है.

> **2027 से पहले मैदान में भाजपा**
>
> 2024 में आसमान में उड़ती और 400 के पार का नारा देती भाजपा यूपी चुनाव 2027 से पहले मैदान पर दिख रही है. सीएम योगी आदित्यनाथ से लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी तक जमीन पर उतरते दिख रहे हैं. नारी शक्ति वंदन अधिनियम भले ही केंद्र सरकार की ओर से लाया गया संविधान संशोधन विधेयक था, लेकिन भाजपा को आरक्षण विरोधी करार देने वाले विपक्ष को घेरने के लिए अब पार्टी इसे हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रही है. महिलाओं यानी आधी आबादी के जरिए विपक्ष के जातीय गोलबंदी यानी पीडीए पॉलिटिक्स की काट तैयार करने में जुट गई है.

क्या केसी वेणुगोपाल ने दावेदारी छोड़ दी?

तिरुवनंतपुरम. केरल में विधानसभा की 140 सीटों के लिए वोटिंग हो चुकी है और कांग्रेस पार्टी पूरे भरोसे में है कि वह सरकार बनाने जा रही है.

नौ अप्रैल को हुए मतदान से पहले केरल में कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ दिख रही थी. कहा जा रहा था कि आधा दर्जन सीएम दावेदार हैं और इस वजह से पार्टी को नुकसान की आशंका भी जताई जा रही थी. लेकिन मतदान खत्म होने के बाद कहा गया कि तीन सीरियस दावेदार हैं. पहले नंबर पर पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का नाम बताया जा रहा है. उनके अलावा रमेश चेन्निथला और वीडी सतीशन के नाम की चर्चा है. लेकिन इसी बीच कांग्रेस के जानकार नेताओं ने कहना शुरू कर दिया है कि केसी वेणुगोपाल मुख्यमंत्री पद के दावेदार नहीं हैं. वे राहुल गांधी के साथ रहेंगे और कांग्रेस के संगठन महासचिव के तौर पर काम करते रहेंगे. कांग्रेस मल्लिकार्जुन खड़गे को अध्यक्ष और वेणुगोपाल को संगठन महासचिव बनाए रख कर ही 2029 के चुनाव की तैयारी कर रही है.

गठबंधन में लड़ेंगे 2027 का विधानसभा चुनाव

रेवाड़ी . उत्तर प्रदेश की सियासत में अभी से 2027 की बिसात बिछने लगी है. समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में राज्य की राजनीति किस दिशा में मुड़ने वाली है. अखिलेश ने गठबंधन को लेकर भी बड़ा बयान दिया है.

हरियाणा में एक निजी कार्यक्रम में पहुंचे अखिलेश ने न केवल अपनी जीत का भरोसा जताया बल्कि दिल्ली से लेकर लखनऊ तक की राजनीति में हलचल मचा दी है. उनका गठबंधन को लेकर यह बयान ऐसे समय में आया है जब विपक्षी एकजुटता को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे.

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हरियाणा के रेवाड़ी में एक विवाह समारोह में शामिल होने पहुंचे थे. पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने पूरे विश्वास के साथ कहा कि अगले साल होने वाले चुनावों के बाद समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की सत्ता में शानदार वापसी करेगी. उन्होंने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए भविष्यवाणी की कि पश्चिम बंगाल सहित जिन भी राज्यों में अभी विधानसभा चुनाव हो रहे हैं वहां भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ेगा.

अखिलेश यादव ने उन तमाम चर्चाओं पर भी विराम लगा दिया जो गठबंधन के भविष्य को लेकर अक्सर उठती रहती हैं.

ढाई लाख से ज्यादा मतदाता तय करेंगे किस्मत

2024 के आंकड़ों के अनुसार, इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 2,65,214 पंजीकृत मतदाता हैं. यहां का चुनावी गणित काफी हद तक धार्मिक और जातीय समीकरणों पर निर्भर करता है. 2021 के आंकड़ों के मुताबिक, यहां मुस्लिम मतदाता 39.50 प्रतिशत हैं, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी 20.19 प्रतिशत है. यह क्षेत्र मुख्य रूप से ग्रामीण है, जहां केवल 21.18 प्रतिशत मतदाता शहरी इलाकों में रहते हैं. यहां मतदान का प्रतिशत हमेशा से ही काफी ऊंचा रहा है, जो 2021 में 88.40 प्रतिशत तक पहुंच गया था.

विशेष | **पश्चिम बंगाल की हर बेटी सुरक्षा और गुंडाराज से मुक्ति की बात कर रही है**

डॉ. मोहन यादव का पश्चिम बंगाल में भी चल रहा है जादू

राकेश शर्मा

विधानसभा चुनाव 2026 पश्चिम बंगाल में पहले चरण की वोटिंग 23 अप्रैल को हुई. हर व्यक्ति आज आश्चर्य चकित है क्योंकि पश्चिम बंगाल में जो वोटिंग का आंकड़ा आ रहा है वह है 92.72% जो अपने आप में इस बात को सिद्ध कर रहा है कि मतदाता अपने मत अधिकार का प्रयोग कर लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत कर रहे हैं. पहली बार बंगाल में यह देखने में आ रहा है कि मतदाता खुलकर टीवी रिपोर्टरों के सामने कह रहा है कि वह परिवर्तन चाहता है. 80 वर्ष की बुजुर्ग महिला कैमरे के सामने कह रही हैं कि वह शांति और परिवर्तन चाहती हैं. अर्जिकर मेडिकल कॉलेज बलात्कार कांड ने महिलाओं को झकझोर कर रख दिया है.आज पश्चिम बंगाल की हर बेटी सुरक्षा और गुंडाराज से मुक्ति की बात कर रही है.आश्चर्य तब होता है जब पश्चिम बंगाल की एक महिला मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहती हैं कि महिलाओं को रात 7:00 बजे के बाद घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए. इस बात का जवाब ममता बनर्जी क्यों नहीं दे पातीं किस कारणवश महिलाओं को 7:00 बजे के बाद घर से नहीं निकलना चाहिए. क्या पश्चिम बंगाल में कानून का राज खत्म हो गया है?इ से वह क्या स्वीकार कर रही हैं.मध्य प्रदेश के लाडले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी भी कई रैली में इस बात पर कहा कि जब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद स्वीकार कर रही हैं कि वह कानून व्यवस्था को नहीं संभाल पा रही हैं तब महिलाओं ने ममता के खिलाफ मशाल उठा ली है और वह सड़क पर ममता सरकार के खिलाफ उतर गईं हैं.देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में और रोड शो में जिस तरह से महिलाएं उमड रही हैं, भारी तादाद में पहुंच रही है यह सिद्ध करता है कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं का मूड इस बार परिवर्तन चाहता है और भाजपा की सरकार चाहता है.पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 152 सीटों पर वोटिंग हुई है इसी चरण में यह नजर आने लगा है कि किस तरह से तृणमूल कांग्रेस घबराई हुई है.पश्चिम बंगाल की बंपर वोटिंग परिवर्तन की लहर के रूप में दिखाई दे रही है.

> युवाओं में पश्चिम बंगाल में आज बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है जिसकी बात खुलकर युवा आज कर रहे हैं. पश्चिम बंगाल की जनता आज गुंडो से तंग आ गई है,लगातार कट मनी ,जबरन वसूली महिलाओं पर अत्याचार यह सब आज पश्चिम बंगाल की पहचान बन गई है इससे मुक्ति पाने के लिए जनता ने कमर कस ली है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों पर जनता को विश्वास हो रहा है और वह परिवर्तन की लहर पर सवार होकर भाजपा की सरकार पश्चिम बंगाल में लाने के लिए तैयार हो गई है.